



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

मा. 491] नई दिल्ली, बुहुस्पतिवार, नवम्बर 8, 1990/कात्तिक 17, 1912
No. 491] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 8, 1990/KARTIKA 17, 1912

इस भाग के भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन में कृपा भौं
रक्षा आ सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1990

सं. 45/90-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

या.का.नि. 898(प्र)---केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उस प्रथा
के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) व
मर्दीन उत्पाद शुल्क के उद्घाटन की वावत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्घाटन न किया जाना

भी है) साधारणता प्रचलित थी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ़ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 29 के अन्तर्गत आते वाले डाइ-एथिलीन ग्लाइकल टेरेफ्थेनेट (डीईजीटी) या डाइ-ग्लाइकाल टेरेफ्थेनेट (डीजीटी) पर जब उसकी एकमात्र रूप से पानि-एस्टर चिप्प (पानि-एथिलीन टेरेफ्थेनेट) के विनिर्माण में व्यवहार होती है, उत्पाद शुल्क, 28 फरवरी, 1986 को प्रारम्भ होने वाली और 28 फरवरी, 1989 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्घाटित नहीं किया जा रहा था;

और ऐसे डाइ-एथिलीन ग्लाइकाल टेरेफ्थेनेट (डीईजीटी) या डाइ-ग्लाइकाल टेरेफ्थेनेट (डीजीटी) पर विशेष उत्पाद शुल्क पूर्वान्तर अवधि के दौरान ऐसे शुल्क के उद्घाटण से संबंधित सुसंगत विधि के अधीन भी उद्घाटित नहीं किया जा रहा था;

ग्रन्ति, अब, केन्द्रीय सरकार, प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 11-ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर ऐसे डाइ-एथिलीन ग्लाइकाल टेरेफ्थेनेट (डीईजीटी) या डाइ-ग्लाइकाल टेरेफ्थेनेट (डीजीटी) पर यथास्थिति, प्रथम वर्णित अधिनियम के अधीन या उक्त विधि के अधीन संदेश मम्पॉन उत्पाद, शुल्क और विशेष उत्पाद शुल्क ऐसे डाइ-एथिलीन ग्लाइकाल टेरेफ्थेनेट (डीईजीटी) या डाइ-ग्लाइकाल टेरेफ्थेनेट (डीजीटी) की बाबत संदाय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिस पर उक्त उत्पाद शुल्क और विशेष उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वान्तर अवधि के दौरान उद्घाटित नहीं किया गया था।

[एफ. स. 120/9/89-सी एस-3]

सी. के. कलोनी, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th November, 1990

No. 45/90—CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 898(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on Di-ethylene glycol terephthalate (DEGT) or Di-glycol terephthalate (DGT), falling within Chapter 29 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), when consumed captively in the

manufacture of polyester chips (poly-ethylene terephthalate), was not being levied under section 3 of the first-mentioned Act, during the period commencing on the 28th day of February, 1986 and ending with the 28th day of February, 1989;

And whereas the special duty of excise on such Di-ethylene glycol terephthalate (DEGT) or Di-glycol terephthalate (DGT) was also not being levied under the relevant law relating to the levy of such duty during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first-mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise and the special duty of excise payable under the first-mentioned Act, or, as the case may be, under the said law on such Di-ethylene glycol terephthalate (DEGT) or Die-glycol terephthalate (DGT), but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such Di-ethylene glycol terephthalate (DEGT) or Die-glycol terephthalate (DGT) on which the said duty of excise and the special duty of excise were not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 120/9/89-CX 3]
C. K. KALONI, Dy. Secy.

